NCERT Archive

SOLUTIONS BOOK

CLASS 8

Sanskrit · Deepakam

CHAPTER 7

मञ्जुलमञ्जूषा सुन्दरसुरभाषा

Complete Exercise Solutions · सम्पूर्ण अभ्यास-समाधान

अभ्यासात् जायते सिद्धिः | परियोजनाकार्यम् | In-Text Questions

Contents

Class 8 Sanskrit · Deepakam · Chapter 7 — मञ्जुलमञ्जूषा सुन्दरसुरभाषा

EX
अभ्यासात् जायते सिद्धिः Exercises
8 questions · Q1 Q2 Q3 Q4 Q5 Q6 Q7 Q8 — 3

PR
परियोजनाकार्यम् Project Work
3 questions · Q1 Q2 Q3 — 14

IT
In-Text Questions
3 questions · Q1 Q2 Q3 — 17

Every question is followed by its answer. Question numbers above are clickable and the PDF bookmarks panel lets you jump to any exercise set or question.
The word-meaning tables of the lesson (pp. 79–80) already give Hindi and English meanings; their mother-tongue column is for each student's own language.

हिन्दी: प्रत्येक प्रश्न के बाद उसका उत्तर दिया गया है। ऊपर प्रश्न-संख्याओं पर क्लिक करके सीधे वहाँ जाया जा सकता है। पाठ की शब्दार्थ-तालिका (पृ. 79–80) में हिन्दी और अंग्रेज़ी अर्थ पहले से दिए हैं; "मातृभाषया अर्थं लिखत" स्तम्भ प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी मातृभाषा के लिए है।

NCERT Archive

EX

CLASS 8 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 7

अभ्यासात् जायते सिद्धिः

Solutions · 8 questions · समाधान · ८ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

१. अधः प्रदत्तानां प्रश्नानां एकपदेन उत्तरं लिखत—

(क) सुन्दरसुरभाषा कस्य वचनातीता?

(ख) संस्कृतभाषा कुत्र विजयते?

(ग) संस्कृतभाषा कस्य आशा?

(घ) संस्कृते कति रसाः सन्ति?

(ङ) कस्याः ध्वनिश्रवणेन सुखं वर्धते?

ANSWER उत्तर

क मम

The poet says: "मम वचनातीता" — the nurturing power of the language is beyond my words.

हिन्दी: कवि कहता है — "मम वचनातीता": संस्कृत की पोषण-क्षमता मेरे वचनों से परे है।

p. 76 — verse 1

ख धरायाम्

It is victorious on the earth.

हिन्दी: यह पृथ्वी पर विजयी है।

p. 79 — verse 4

ग जीवनस्य

Sanskrit is the hope (आशा) of life — of the sages, poets and common people.

हिन्दी: संस्कृत जीवन की आशा है — मुनियों, कवियों और सामान्य जनों की।

p. 77 — verse 2

घ नव

There are nine rasas in Sanskrit.

हिन्दी: संस्कृत में नौ रस हैं।

p. 79 — भावार्थ

NCERT Archive

ङ संस्कृतभाषायाः

Happiness grows by hearing the sound of the Sanskrit language.

हिन्दी: संस्कृत भाषा की ध्वनि सुनने से सुख बढ़ता है।

p. 78 — भावार्थ

(क) मम (ख) धरायाम् (ग) जीवनस्य (घ) नव (ङ) संस्कृतभाषायाः

QUESTION 2 प्रश्न 2

२. अधः प्रदत्तानां प्रश्नानां पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत—

(क) संस्कृतभाषा केषां जीवनस्य आशा अस्ति?

(ख) केषां विचाराः जनान् अभिप्रेरयन्ति?

(ग) कैः रसैः समृद्धा साहित्यपरम्परा विराजते?

(घ) संस्कृतभाषा केषु शास्त्रेषु विहरति?

(ङ) संस्कृतभाषायाः कानि कानि सम्बोधनपदानि अत्र प्रयुक्तानि?

ANSWER उत्तर

क संस्कृतभाषा वेदव्यास-वाल्मीकि-मुनीनां कालिदास-बाणादिकवीनां पौराणिक-सामान्यजनानां च जीवनस्य आशा अस्ति।

Sanskrit is the hope of life for sages like Vedavyasa and Valmiki, poets like Kalidasa and Bana, and the people of the Puranas and common people.

हिन्दी: संस्कृत वेदव्यास-वाल्मीकि जैसे मुनियों, कालिदास-बाण जैसे कवियों तथा पौराणिक और सामान्य जनों के जीवन की आशा है।

p. 77 — verse 2

ख वेद-उपनिषद्-वेदान्त-पुराणादीनां विचाराः जनान् अभिप्रेरयन्ति।

The thoughts of the Vedas, Upanishads, Vedanta, Puranas and so on inspire people.

हिन्दी: वेद, उपनिषद्, वेदान्त और पुराण आदि के विचार लोगों को प्रेरित करते हैं।

p. 79 — भावार्थ

ग शृङ्गार-हास्य-करुण-रौद्र-वीर-भयानक-बीभत्स-अद्भुत-शान्तैः नवभिः रसैः समृद्धा साहित्यपरम्परा विराजते।

The literary tradition shines, rich with nine rasas: shringara, hasya, karuna, raudra, vira, bhayanaka, bibhatsa, adbhuta and shanta.

हिन्दी: साहित्य-परम्परा शृङ्गार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शान्त — इन नौ रसों से समृद्ध होकर शोभित है।

p. 79 — भावार्थ

NCERT Archive

घ संस्कृतभाषा चिकित्सा-विज्ञान-खगोलशास्त्रादिषु शास्त्रेषु विहरति।

Sanskrit moves about in sciences such as medicine, science and astronomy.

हिन्दी: संस्कृत चिकित्सा, विज्ञान और खगोलशास्त्र आदि शास्त्रों में विचरण करती है।

p. 79 — verse 4

ङ अत्र “मातः”, “श्रुतिसुखनिनदे”, “सकलप्रमोदे”, “स्मृतिहितवरदे”, “सरसविनोदे”, “काव्यविशारदे” इति सम्बोधनपदानि प्रयुक्तानि।

The address words used are: मातः, श्रुतिसुखनिनदे, सकलप्रमोदे, स्मृतिहितवरदे, सरसविनोदे, काव्यविशारदे.

हिन्दी: यहाँ ये सम्बोधन-पद प्रयुक्त हैं — मातः, श्रुतिसुखनिनदे, सकलप्रमोदे, स्मृतिहितवरदे, सरसविनोदे, काव्यविशारदे।

pp. 76 and 78

(क) वेदव्यास-वाल्मीकि-मुनीनां कालिदास-बाणादिकवीनां पौराणिक-सामान्यजनानां च। (ख) वेद-उपनिषद्-वेदान्त-पुराणादीनाम्। (ग) नवभिः रसैः। (घ) वैद्य-व्योम-शास्त्रादिषु। (ङ) मातः आदीनि सम्बोधनपदानि।

QUESTION 3 प्रश्न 3

३. रेखाङ्कितपदानि आश्रित्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत—

(क) मुनिगणाः <u>संस्कृतभाषायाः</u> विकासं कृतवन्तः।

(ख) सामान्यजनानां जीवनं <u>काव्यैः</u> प्रभावितम् अस्ति।

(ग) कवयः अपि <u>उपादेयानि</u> काव्यानि रचितवन्तः।

(घ) संस्कृतभाषा <u>पृथिव्याम्</u> विहरति।

(ङ) संस्कृतभाषा <u>विविधभाषाः</u> परिपोषयति।

(च) वेद-वेदाङ्गादीनि गभीराणि <u>शास्त्राणि</u> सन्ति।

ANSWER उत्तर

Replace the underlined word with the matching question word (*कः, कैः, कानि, काः, कुत्र* …) of the same case and number; the rest of the sentence stays the same.

हिन्दी: रेखांकित पद के स्थान पर उसी विभक्ति-वचन का प्रश्नवाचक शब्द रखें; शेष वाक्य वैसा ही रहता है।

क मुनिगणाः कस्याः विकासं कृतवन्तः?

<u>संस्कृतभाषायाः</u> → **कस्याः** (Genitive (feminine))

हिन्दी: रेखांकित पद “संस्कृतभाषायाः” — षष्ठी; इसलिए प्रश्नवाचक पद “कस्याः”।

p. 81–82

NCERT Archive

ख सामान्यजनानां जीवनं कैः प्रभावितम् अस्ति?

काव्यैः → **कैः** (Instrumental plural)
हिन्दी: रेखांकित पद "काव्यैः" — तृतीया बहुवचन; इसलिए प्रश्नवाचक पद "कैः"।
p. 81–82

ग कवयः अपि कीदृशानि काव्यानि रचितवन्तः?

उपादेयानि → **कीदृशानि** (Adjective of काव्यानि)
हिन्दी: रेखांकित पद "उपादेयानि" — विशेषण (काव्यानि के साथ); इसलिए प्रश्नवाचक पद "कीदृशानि"।
p. 81–82

घ संस्कृतभाषा कुत्र विहरति?

पृथिव्याम् → **कुत्र** (Locative (place))
हिन्दी: रेखांकित पद "पृथिव्याम्" — सप्तमी; इसलिए प्रश्नवाचक पद "कुत्र"।
p. 81–82

ङ संस्कृतभाषा काः परिपोषयति?

विविधभाषाः → **काः** (Accusative plural (feminine))
हिन्दी: रेखांकित पद "विविधभाषाः" — द्वितीया बहुवचन; इसलिए प्रश्नवाचक पद "काः"।
p. 81–82

च वेद-वेदाङ्गादीनि गभीराणि कानि सन्ति?

शास्त्राणि → **कानि** (Nominative plural (neuter))
हिन्दी: रेखांकित पद "शास्त्राणि" — प्रथमा बहुवचन; इसलिए प्रश्नवाचक पद "कानि"।
p. 81–82

(क) मुनिगणाः कस्याः विकासं कृतवन्तः? (ख) सामान्यजनानां जीवनं कैः प्रभावितम् अस्ति? (ग) कवयः अपि कीदृशानि काव्यानि रचितवन्तः? (घ) संस्कृतभाषा कुत्र विहरति? (ङ) संस्कृतभाषा काः परिपोषयति? (च) वेद-वेदाङ्गादीनि गभीराणि कानि सन्ति?

NCERT Archive

QUESTION 4 प्रश्न 4

४. अधः प्रदत्तानां पदानाम् उदाहरणानुसारं विभक्तिं वचनं च लिखत—

पदम्	विभक्तिः	वचनम्
यथा - मातः	सम्बोधनम्	एकवचनम्
तव	.....	.....
मञ्जूषा	.....	.....
संस्कृतिः	.....	.....
जनानाम्	.....	.....
जीवनस्य	.....	.....
धरायाम्	.....	.....
शास्त्रेषु	.....	.....

ANSWER उत्तर

यथा मातः — **सम्बोधनम् · एकवचनम्**
Vocative singular (given as example)
हिन्दी: सम्बोधन एकवचन (उदाहरण)

क तव — **षष्ठी · एकवचनम्**
Genitive singular of युष्मद् — "your"
हिन्दी: युष्मद् शब्द, षष्ठी एकवचन — "तुम्हारा"
p. 82

ख मञ्जूषा — **प्रथमा · एकवचनम्**
Nominative singular
हिन्दी: प्रथमा एकवचन
p. 82

ग संस्कृतिः — **प्रथमा · एकवचनम्**
Nominative singular
हिन्दी: प्रथमा एकवचन
p. 82

घ जनानाम् — **षष्ठी · बहुवचनम्**
Genitive plural
हिन्दी: षष्ठी बहुवचन
p. 82

NCERT Archive

ङ जीवनस्य — **षष्ठी · एकवचनम्**
Genitive singular
हिन्दी: षष्ठी एकवचन
p. 82

च धरायाम् — **सप्तमी · एकवचनम्**
Locative singular
हिन्दी: सप्तमी एकवचन
p. 82

छ शास्त्रेषु — **सप्तमी · बहुवचनम्**
Locative plural
हिन्दी: सप्तमी बहुवचन
p. 82

मातः — सम्बोधन, एकवचन (उदा.) · तव — षष्ठी, एकवचन · मञ्जूषा — प्रथमा, एकवचन · संस्कृतिः — प्रथमा, एकवचन · जनानाम् — षष्ठी, बहुवचन · जीवनस्य — षष्ठी, एकवचन · धरायाम् — सप्तमी, एकवचन · शास्त्रेषु — सप्तमी, बहुवचन

QUESTION 5 प्रश्न 5

५. अधोलिखितानां पद्यांशानां यथायोग्यं मेलनं कुरुत—

कवर्गः	खवर्गः
(क) अयि मातस्तव पोषणक्षमता	स्मृतिहितवरदे सरसविनोदे
(ख) वेदव्यास-वाल्मीकि-मुनीनां	विजयते धरायाम्
(ग) पौराणिक-सामान्यजनानाम्	मम वचनातीता, सुन्दरसुरभाषा
(घ) श्रुतिसुखनिनदे सकलप्रमोदे	कालिदासबाणादिकवीनाम्
(ङ) वैद्यव्योम-शास्त्रादिविहारा	जीवनस्य आशा, सुन्दरसुरभाषा

ANSWER उत्तर

Each line of the left column continues in the line of the right column exactly as in the verses.
हिन्दी: बाएँ वर्ग की पंक्ति श्लोकों के क्रम के अनुसार दाएँ वर्ग की पंक्ति से जुड़ती है।

क अयि मातस्तव पोषणक्षमता → **मम वचनातीता, सुन्दरसुरभाषा**
Verse 1: “अयि मातस्तव पोषणक्षमता / मम वचनातीता, सुन्दरसुरभाषा”
हिन्दी: श्लोक १ की पंक्तियाँ जोड़ी जाती हैं।
p. 76 — verse 1

NCERT Archive

ख वेदव्यास-वाल्मीकि-मुनीनां → **कालिदासबाणादिकवीनाम्**

Verse 2: "वेदव्यास-वाल्मीकि-मुनीनां / कालिदास-बाणादिकवीनाम्"
हिन्दी: श्लोक २ की पहली और दूसरी पंक्ति का जोड़ा।
p. 77 — verse 2

ग पौराणिक-सामान्यजनानाम् → **जीवनस्य आशा, सुन्दरसुरभाषा**

Verse 2: "पौराणिक-सामान्य-जनानां / जीवनस्य आशा, सुन्दरसुरभाषा"
हिन्दी: श्लोक २ की तीसरी और चौथी पंक्ति का जोड़ा।
p. 77 — verse 2

घ श्रुतिसुखनिनदे सकलप्रमोदे → **स्मृतिहितवरदे सरसविनोदे**

Verse 3: "श्रुतिसुखनिनदे सकलप्रमोदे / स्मृतिहितवरदे सरसविनोदे"
हिन्दी: श्लोक ३ की पहली और दूसरी पंक्ति का जोड़ा।
p. 78 — verse 3

ङ वैद्यव्योम-शास्त्रादिविहारा → **विजयते धरायाम्**

Verse 4: "वैद्य-व्योम-शास्त्रादि-विहारा / विजयते धरायाम्"
हिन्दी: श्लोक ४ की तीसरी और चौथी पंक्ति का जोड़ा।
p. 79 — verse 4

(क) मम वचनातीता, सुन्दरसुरभाषा (ख) कालिदासबाणादिकवीनाम् (ग) जीवनस्य आशा, सुन्दरसुरभाषा (घ) स्मृतिहितवरदे सरसविनोदे (ङ) विजयते धरायाम्

QUESTION 6 प्रश्न 6

६. उदाहरणानुसारम् अधः प्रदत्तानां पदानाम् एकपदेन अर्थं लिखत—

यथा, देवस्य आलयः = देवालयः

(क) सुराणां भाषा =

(ख) सुन्दरी सुरभाषा =

(ग) नवरसैः रुचिरा =

(घ) पोषणस्य क्षमता =

(ङ) मञ्जुला भाषा =

ANSWER उत्तर

Join the related words into one compound word (**समासः**), as explained in "अत्र इदम् अवधेयम्". For example, *सुराणां भाषा* is a षष्ठी-तत्पुरुषः whose second word is the main one.

हिन्दी: सम्बद्ध शब्दों को मिलाकर एक समस्त पद बनाइए ("अत्र इदम् अवधेयम्" के अनुसार)। जैसे — सुराणां भाषा =

NCERT Archive

सुरभाषा।

क सुरभाषा

सुराणां भाषा = सुरभाषा (षष्ठी-तत्पुरुषः) — language of the gods.
हिन्दी: देवताओं की भाषा — षष्ठी-तत्पुरुष।
p. 80 (given example)

ख सुन्दरसुरभाषा

सुन्दरी सुरभाषा = सुन्दरसुरभाषा (कर्मधारयः) — the beautiful divine language.
हिन्दी: सुन्दर देववाणी — कर्मधारय समास।
p. 76

ग नवरसरुचिरा

नवरसैः रुचिरा = नवरसरुचिरा (तृतीया-तत्पुरुषः) — charming with nine rasas.
हिन्दी: नौ रसों से मनोहर — तृतीया-तत्पुरुष।
p. 80

घ पोषणक्षमता

पोषणस्य क्षमता = पोषणक्षमता (षष्ठी-तत्पुरुषः) — capacity to nurture.
हिन्दी: पोषण की क्षमता — षष्ठी-तत्पुरुष।
p. 80

ङ मञ्जुलभाषा

मञ्जुला भाषा = मञ्जुलभाषा (कर्मधारयः) — the charming language.
हिन्दी: मनोहर भाषा — कर्मधारय समास।
p. 79

(क) सुरभाषा (ख) सुन्दरसुरभाषा (ग) नवरसरुचिरा (घ) पोषणक्षमता (ङ) मञ्जुलभाषा

NCERT Archive

QUESTION 7 प्रश्न 7

७. पेटिकातः पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत—

कालिदासबाणादि, आशा, संस्कृतिः, विजयते, मम, वेदविषय, मञ्जुलमञ्जूषा, सकलप्रमोदे

यथा - मुनिवर-विकसित-कविवर-विलसित- मञ्जुलमञ्जूषा सुन्दरसुरभाषा।

(क) अयि मातः तव पोषणक्षमता ..... वचनातीता।

(ख) वेदव्यास-वाल्मीकि-मुनीनां ..... कवीनाम्।

(ग) पौराणिक-सामान्य-जनानां जीवनस्य .....।

(घ) श्रुतिसुखनिनदे ..... स्मृतिहितवरदे सरसविनोदे।

(ङ) गति-मति-प्रेरक-काव्य-विशारदे, तव ..... एषा सुन्दरसुरभाषा।

(च) नवरस-रुचिरालङ्कृतिधारा .....-वेदान्तविचारा।

(छ) वैद्य-व्योम-शास्त्रादि-विहारा ..... धरायाम्, सुन्दरसुरभाषा।

ANSWER उत्तर

The example uses **मञ्जुलमञ्जूषा**; the other seven words of the box fill the seven blanks, each used once.

हिन्दी: उदाहरण में मञ्जुलमञ्जूषा प्रयुक्त है; पेटी के शेष सात शब्द सात रिक्त स्थानों में एक-एक बार आते हैं।

क अयि मातः तव पोषणक्षमता **मम** वचनातीता।

"my" — beyond my words

हिन्दी: "मेरे" — मेरे वचनों से परे

p. 76 — verse line

ख वेदव्यास-वाल्मीकि-मुनीनां **कालिदासबाणादि** कवीनाम्।

"Kalidasa–Bana, etc." — the poets named in verse 2

हिन्दी: "कालिदास, बाण आदि" — श्लोक २ के कवि

p. 77 — verse line

ग पौराणिक-सामान्य-जनानां जीवनस्य **आशा**।

"hope" of life

हिन्दी: जीवन की "आशा"

p. 77 — verse line

घ श्रुतिसुखनिनदे **सकलप्रमोदे** स्मृतिहितवरदे सरसविनोदे।

"O giver of joy to all!"

हिन्दी: "सबको आनन्द देने वाली!"

p. 78 — verse line

NCERT Archive

ङ गति-मति-प्रेरक-काव्य-विशारदे, तव **संस्कृतिः** एषा सुन्दरसुरभाषा।

"your culture"
हिन्दी: "तुम्हारी संस्कृति"
p. 78 — verse line

च नवरस-रुचिरालङ्कृतिधारा **वेदविषय**-वेदान्तविचारा।

"Veda-subjects" — Veda-vishaya, Vedanta thoughts
हिन्दी: "वेदविषय" — वेद के विषय और वेदान्त के विचार
p. 79 — verse line

छ वैद्य-व्योम-शास्त्रादि-विहारा **विजयते** धरायाम्, सुन्दरसुरभाषा।

"is victorious"
हिन्दी: "विजयी होती है"
p. 79 — verse line

(क) मम (ख) कालिदासबाणादि (ग) आशा (घ) सकलप्रमोदे (ङ) संस्कृतिः (च) वेदविषय (छ) विजयते

QUESTION 8 प्रश्न 8

८. अधोलिखितविकल्पेषु प्रसङ्गानुसारम् अर्थं चिनुत—

(क) "मञ्जुलमञ्जूषा" इत्यस्य अर्थः कः?

(i) कठोरभाषा (ii) शोचनीया भाषा (iii) मनोहररूपेण सङ्कलिता (iv) सामान्यभाषा

(ख) सुन्दरसुरभाषा केषां जीवनस्य आशा उच्यते?

(i) केवलं कवीनाम् (ii) बालकानाम् (iii) पौराणिक-सामान्यजनानाम् (iv) छात्राणाम्

(ग) सुन्दरसुरभाषा कुत्र विजयते?

(i) आकाशे (ii) जलधौ (iii) धरायाम् (iv) पवने

(घ) सुन्दरसुरभाषायां किं नास्ति?

(i) शास्त्रज्ञानम् (ii) संस्कृतिः (iii) वेदान्तचिन्तनम् (iv) अशुद्धिः

(ङ) कविः सुन्दरसुरभाषां केन पदेन सम्बोधयति?

(i) पितः (ii) मातः (iii) भ्रातः (iv) दातः

ANSWER उत्तर

NCERT Archive

क (iii) **मनोहररूपेण सङ्कलिता**

मञ्जुला = मनोहरा (charming) and मञ्जूषा = पेटिका (box): a box (collection) arranged in a charming way.
हिन्दी: मञ्जुला = मनोहर, मञ्जूषा = पेटी; अर्थात् मनोहर रूप से संकलित।
p. 79 — word table

ख (iii) **पौराणिक-सामान्यजनानाम्**

Verse 2 names the sages, poets, Puranic and common people as those whose hope the language is.
हिन्दी: श्लोक २ में मुनि, कवि, पौराणिक और सामान्य जन इसकी आशा कहे गए हैं।
p. 77

ग (iii) **धरायाम्**

Verse 4: "विजयते धरायां, सुन्दरसुरभाषा".
हिन्दी: श्लोक ४ — "विजयते धरायां"।
p. 79

घ (iv) **अशुद्धिः**

The language is full of scriptural knowledge, culture and Vedanta thought; impurity (अशुद्धिः) is not found in it.
हिन्दी: यह भाषा शास्त्रज्ञान, संस्कृति और वेदान्त-चिन्तन से पूर्ण है; इसमें अशुद्धि नहीं है।
pp. 78–79

ङ (ii) **मातः**

Verse 1 begins with "अयि मातः" — the poet addresses the language as mother.
हिन्दी: श्लोक १ में कवि "अयि मातः" कहकर भाषा को माता के रूप में सम्बोधित करता है।
p. 76

(क) (iii) मनोहररूपेण सङ्कलिता · (ख) (iii) पौराणिक-सामान्यजनानाम् · (ग) (iii) धरायाम् · (घ) (iv) अशुद्धिः · (ङ) (ii) मातः

NCERT Archive

PR

CLASS 8 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 7

परियोजनाकार्यम्

Solutions · 3 questions · समाधान · ३ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

१. संस्कृतेन जीवनं कथं समृद्धं भवेत् इति अधिकृत्य 'सुन्दरसुरभाषा धरायां विजयते' इति संस्कृतनाटिकया छात्राः जागरूकाः करणीयाः।

ANSWER उत्तर

Prepare a short Sanskrit skit titled **"सुन्दरसुरभाषा धरायां विजयते"**. A simple plan, using the ideas of the lesson:

हिन्दी: "सुन्दरसुरभाषा धरायां विजयते" शीर्षक से एक छोटी संस्कृत नाटिका तैयार करें। पाठ के विचारों पर आधारित सरल योजना —

१ दृश्यम् १ — संस्कृतदिवसः

Two sisters talk on Shravani Purnima, Sanskrit Day, and plan the week-long celebration and a song competition (as in the opening dialogue).

हिन्दी: दो बहनें श्रावणी पूर्णिमा (संस्कृत दिवस) पर बात करती हैं और सप्ताह भर के कार्यक्रम व गीत-प्रतियोगिता की योजना बनाती हैं।

p. 75

२ दृश्यम् २ — भाषायाः वैशिष्ट्यम्

Students tell the greatness of Sanskrit: mother of many languages, hope of sages, poets and common people, nine rasas, sciences like medicine and astronomy.

हिन्दी: छात्र संस्कृत की महिमा बताते हैं — अनेक भाषाओं की जननी, मुनियों-कवियों-जन की आशा, नौ रस, चिकित्सा और खगोल आदि शास्त्र।

pp. 76–79

३ दृश्यम् ३ — सङ्कल्पः

All recite "सुन्दरसुरभाषा धरायां विजयते" and resolve to use Sanskrit in daily life, songs and verses.

हिन्दी: सब "सुन्दरसुरभाषा धरायां विजयते" का उच्चारण करके दैनिक जीवन में संस्कृत प्रयोग का संकल्प लेते हैं।

p. 79

Skit theme: Sanskrit enriches life through literature, culture, sciences and daily use.

हिन्दी: नाटिका का भाव: साहित्य, संस्कृति, विज्ञान और दैनिक प्रयोग से संस्कृत जीवन को समृद्ध करती है।

NCERT Archive

QUESTION 2 प्रश्न 2

२. सरलसंस्कृतगीतानां सङ्ग्रहं कुरुत कक्षायां च गायत।

यथा – सुरसुबोधा विश्वमनोज्ञा, मनसा सततं स्मरणीयम्, मृदपि च चन्दनमस्मिन् देशे, इत्यादीनि।

ANSWER उत्तर

Collect simple Sanskrit songs and sing them in class. The book itself gives these examples to begin the collection:

हिन्दी: सरल संस्कृत गीतों का संग्रह करें और कक्षा में गाएँ। पुस्तक में दिए ये उदाहरण संग्रह का आरम्भ हैं —

१ सुरसुबोधा विश्वमनोज्ञा

First song named in the book.

हिन्दी: पुस्तक में दिया गया पहला गीत।

p. 84

२ मनसा सततं स्मरणीयम्

Second song named in the book.

हिन्दी: पुस्तक में दिया गया दूसरा गीत।

p. 84

३ मृदपि च चन्दनमस्मिन् देशे

Third song named in the book.

हिन्दी: पुस्तक में दिया गया तीसरा गीत।

p. 84

४ संस्कृतप्रशस्तयः (योग्यताविस्तरः)

The five verses in praise of Sanskrit on p. 84 (e.g. “भारतं मातृभूमिर्नो मातृभाषा हि संस्कृतम्”) can also be learned and sung.

हिन्दी: पृष्ठ 84 के संस्कृत-प्रशस्ति के पाँच श्लोक भी याद करके गाए जा सकते हैं।

p. 84

Collect at least the three songs named above, add more from teachers and books, and sing them together.

हिन्दी: ऊपर दिए तीन गीतों के साथ अध्यापकों और पुस्तकों से और गीत जोड़कर सब मिलकर गाएँ।

QUESTION 3 प्रश्न 3

३. संस्कृतसाहित्ये प्रसिद्धानां कवीनां काव्यानां च सङ्ग्रहः करणीयः।

NCERT Archive

ANSWER उत्तर

Make a collection of famous poets and works of Sanskrit literature. The lesson itself names Valmiki, Vedavyasa, Kalidasa and Banabhatta.

हिन्दी: संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध कवियों और काव्यों का संग्रह बनाएँ। पाठ में वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास और बाणभट्ट का उल्लेख है।

१ **वाल्मीकिः — रामायणम्**

Valmiki composed the Ramayana.

हिन्दी: वाल्मीकि ने रामायण की रचना की।

p. 77

२ **वेदव्यासः — महाभारतम्, पुराणानि**

Vedavyasa composed the Mahabharata and the Puranas.

हिन्दी: वेदव्यास ने महाभारत और पुराणों की रचना की।

p. 77

३ **कालिदासः — मेघदूतम्, रघुवंशम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्**

Kalidasa is the poet of Meghaduta, Raghuvamsha and Abhijnanashakuntalam.

हिन्दी: कालिदास मेघदूत, रघुवंश और अभिज्ञानशाकुन्तल के रचयिता हैं।

p. 77 (poet named)

४ **बाणभट्टः — कादम्बरी, हर्षचरितम्**

Banabhatta is the author of Kadambari and Harshacharita.

हिन्दी: बाणभट्ट कादम्बरी और हर्षचरित के रचयिता हैं।

p. 77 (poet named)

Poets named in the lesson: Valmiki, Vedavyasa, Kalidasa and Banabhatta — with their works as listed above.

हिन्दी: पाठ में उल्लिखित कवि — वाल्मीकि, वेदव्यास, कालिदास और बाणभट्ट — उनकी रचनाओं सहित।

NCERT Archive

IT

CLASS 8 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 7

In-Text Questions

Solutions · 3 questions · समाधान · ३ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

भगिनि! अद्य श्रावणी पूर्णिमा अस्ति। वदतु एतस्याः किं वैशिष्ट्यम्?

ANSWER उत्तर

उ अहं जानामि अद्य संस्कृतदिवसः अस्ति। वयम् एतम् आसप्ताहम् आचरामः।

Today is Sanskrit Day; we celebrate it for a whole week.

हिन्दी: आज संस्कृत दिवस है; हम इसे पूरे सप्ताह मनाते हैं।

p. 75 (dialogue)

श्रावणीपूर्णिमायाः वैशिष्ट्यम् — संस्कृतदिवसः।

The specialty of Shravani Purnima is Sanskrit Day.

हिन्दी: श्रावणी पूर्णिमा की विशेषता — संस्कृत दिवस।

QUESTION 2 प्रश्न 2

किं भवत्याः विद्यालये संस्कृतदिवसम् अधिकृत्य केषाञ्चन विशिष्टकार्यक्रमाणां योजना कृता?

ANSWER उत्तर

उ आम् ओमिते! मम विद्यालये अनेकेषां कार्यक्रमाणां योजना रचिता।

Yes! Many programmes have been planned in my school.

हिन्दी: हाँ! मेरे विद्यालय में अनेक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

p. 75 (dialogue)

आम्, अनेकेषां कार्यक्रमाणां योजना रचिता।

NCERT Archive

QUESTION 3 प्रश्न 3

भगिनि! तत्र भवती किं गीतं गास्यति? कृपया मामपि श्रावयतु।

ANSWER उत्तर

उ अहं तु गीतगायनप्रतियोगितायां भागं ग्रहीष्यामि। अस्तु अहं गायामि, भवती अनुगायतु।

I will take part in the song-singing competition. Alright, I will sing; please sing along.

हिन्दी: मैं गीतगायन प्रतियोगिता में भाग लूँगी। ठीक है, मैं गाती हूँ, आप अनुगान कीजिए।

p. 75 (dialogue)

सा गीतगायनप्रतियोगितायां भागं ग्रहीष्यति; गीतं गास्यति च।

She will take part in the song competition and agrees to sing, asking her sister to sing along.

हिन्दी: वह गीतगायन प्रतियोगिता में भाग लेगी और गाने को तैयार है।

NCERT Archive